खूबसूरत मगर बदबूदार फूल

उत्तरी गोलार्ध में बसंत का आगाज़ हो चुका है, जहां एक ओर सूरज की चमचमाती रोशनी और खिले हुए फूलों की मनमोहक खुशबू आपको बांध लेती है, वहीं दूसरी ओर न्यूयार्क, इथाका में स्थित कॉर्नेल विश्वविद्यालय के ग्रीनहाउस में पहली बार *टायटन एरम* नामक फूल खिला है।

इस विशाल पौधे का नाम *एमार्फोफेलस टायटेनम* है, जिसे आम बोलचाल की भाषा में 'शव पौधा' कहते हैं, क्योंकि इसमें सड़े मांस-सी दुर्गंध आती है। इसका फूल गहरे जामुनी रंग का धारीदार घंटीनुमा फूल होता है, जिसकी बदबू के उड़ने से केरीयन मक्खियां आकर्षित होती हैं और इस फूल को परागण में मदद मिलती है। कॉर्नेल के शोधकर्ता यह जानने का प्रयास कर रहे हैं कि फूल के खिलते-खिलते यह दुर्गंध कैसे बदलती जाती है। इस शोध के लिए उन्होंने एक फूल के अंदर संवेदी यंत्र लगाए हैं।

शोधकर्ता इस काम में बहुत जल्दबाज़ी करना चाहते हैं क्योंकि यदि यह प्रयोग अभी नहीं हो पाया तो बहुत लंबे समय का इंतज़ार करना पड़ सकता है। वैसे कुछ लोगों का कहना है कि यह फूल हर दो साल बाद खिलता है।

हालांकि हर फूल में नर और मादा दोनों अंग होते हैं मगर *टायटन एरम* में स्व परागण नहीं होता। कॉर्नेल ग्रीनहाउस में खिले इस फूल का परागण हाथों से किया गया था जिसके लिए पिछले वर्ष न्यूयॉर्क के बर्मिंगहैम विश्वविद्यालय में खिले फूल से पराग कण इकट्ठा करके रखे गए थे। अब कॉर्नेल के इस फूल से परागकण तब इकट्ठे किए जाएंगे जब फूल के मादा भाग मुरझा जाएंगे और अगले दिन नर भाग नज़र आने लगेंगे। यह फूल मात्र दो दिनों तक खिला रहेगा, फिर मुरझा जाएगा।

टायटन एरम नामक यह अद्भुत फूल प्राकृतिक रूप से इंडोनेशिया के सुमात्रा वर्षा वनों में पाया जाता है मगर वह इलाका जोखिम में है। ***(स्रोत फीचर्स)***